433 को स्नातक, 71 को स्नातकोत्तर और 11 को विद्या वाचस्पति की उपाधि बांटी

- राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का 8 वां दीक्षांत समारोह आयोजित
- विश्वविद्यालय में 2 करोड़ की लागत से बनने वाले अरूधंति कन्या छात्रावास का शिलान्यास किया

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित की।

बीकानेर,(कासं)।राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि देश के विकास के लिए सड़कें, भवन और पुल जैसे भौतिक संसाधनों की जरूरत होती है, लेकिन देश सही मायनों में विकसित तब होता है, जब प्रत्येक नागरिक शारीरिक, बौद्धिक और चारित्रिक रूप से सशक्त होंगे। उन्होंने युवाओं के कौशल्य विकास पर जोर दिया और अध्ययनशीलता के विकास का आव्हान किया। राज्यपाल बागडे ने मंगलवार को राजस्थान पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के 8 वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए।

दीक्षांत समारोह में कुल 433 विद्यार्थियों को स्नातक, 71 को स्नातकोत्तर और 11 को विद्या वाचस्पति की उपाधियां दी गई। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के मीरा बाई सभागार में आयोजित समारोह के दौरान राज्यपाल ने कहा कि गुरूकुल शिक्षा पद्धति में विद्यार्थी को शिक्षा के साथ कौशल विकास और चारित्र निर्माण की शिक्षा मिलती थी। आज भी शिक्षा अर्जन और डिग्री हासिल करने के साथ विद्यार्थी खेल, शारीरिक व्यायाम आदि गतिविधियों में भी भागीदारी निभाएं। उन्होंने विद्यार्थियों का आव्हान करते हुए कहा कि वे गुरू दक्षिणा के रूप में विश्वविद्यालय परिसर में एक-एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल करें। यह आने वाली पीढियों के लिए प्रेरणादायी होगा।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान के क्षेत्र में आरम्भ से ही समृद्ध रहा है। ऋग्वैदिक काल में भी पशुपालन पूर्णतया विकसित था। अथर्ववेद में पशुओं की बीमारियों, आयुर्वेदिक दवाओं और बीमारियों के इलाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हैं। शालिहोत्र, दुनियां के पहले ज्ञात पशु चिकित्सक थे। उनका लिखा ग्रंथ शालिहोत्र संहित

उन्होंने विश्वविद्यालय में यह ग्रन्थ उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए, जिससे विद्यार्थियों को इनकी जानकारी हो सके। राज्यपाल ने कहा कि पशु चिकित्सा और विज्ञान के प्राचीन ज्ञान से नई पीढ़ी को अवगत करवाया जाए। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। यहां गिर, साहीवाल और मुर्रा जैसी नस्लें उच्च गुणवत्ता का दूध देती हैं।

इसके अलावा बकरी, भेड़ और मुर्गी पालन से मांस तथा अंडों का उत्पादन होता है। इस दिशा में और कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना की।

इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूजलेटर के नवीनतम अंक, विश्वविद्यालय की एक वर्ष की प्रगति पुस्तिका का लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय में 2 करोड़ की लागत से बनने वाले अरूधंति कन्या छात्रावास का शिलान्यास किया। उन्होंने निजी महाविद्यालयों के एफिलेशन मैनेजमेंट सिस्टम, पुनर्निर्मित वेबसाइट और कार्मिकों की उपस्थिति के फेस रिकॉगनेशन सिस्टम की शुरूआत की। पशुपालन, गोपालन, डेयरी और देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राजस्थान कृषि बाहुल्य प्रदेश है। हमारे प्रदेश के लगभग 70 प्रतिशत लोग कृषि और पशुपालन से जुड़े हैं।

यह हमारी आजीविका का प्रमुख साधन है। दूध उत्पादन में भारत दुनिया में पहले और राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। हमारे देश की जीडीपी में पशुपालन का पांच प्रतिशत योगदान है। इसे और अधिक मजबूत करने की जरूरत है। महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय नागपुर के कुलपति डॉ. नितीन वी. पाटिल ने दीक्षांत भाषण देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के खतरे हमारे पशुधन उत्पादन की स्थिरता को खतरे में डाल रहे हैं।

इसके परिणामस्वरूप विकास में कमी, दूध उत्पादन, मांस उत्पादन और पशु स्वास्थ्य खतरे में है। इसके मद्देनजर हमें अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल पशुधन नस्लों को विकसित करने के लिए प्रजनन कार्यक्रम तैयार करने की जरूरत है। कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

आग से 7 बीघा गेहूं की फसल जली

अनूपगढ़, (कासं)। यहां गांव 7 पीजीएम में 33 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से चिंगारी गिरने से तीन खेतों में आग लग गई। इस घटना में लगभग 7 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई।

यह लगातार तीसरा दिन है जब खेतों में बिजली लाइन से आग लगने की घटना सामने आई है। घटना की जानकारी मिलते ही एसएचओ ईश्वर प्रसाद जांगिड़ और हल्का पटवारी मौके पर पहुंचे। पटवारी ने मौका रिपोर्ट तैयार की। किसान राजविंदर सिंह हेयर ने बताया कि उनके पड़ौसी के खेत में गेहूं की कटाई के लिए कंबाइन चल रहा था। इसी दौरान कंबाइन ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन से टकरा गया। इस टक्कर से बिजली का पोल गिर गया और तेज स्पार्किंग से आग लग गई। आग तेजी से फैलकर आसपास के दो खेतों तक पहुंच गई।

अनूपगढ़ फायर ब्रिगेड को तुरंत सूचना दी गई, लेकिन पिछले 8 दिनों से फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब होने के कारण मदद नहीं मिल पाई। करीब 40 मिनट बाद श्रीविजयनगर से फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची। इससे पहले अनूपगढ़ व्यापार मंडल के पानी टैंकर और ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड प्रभारी श्यामलाल के अनुसार गाड़ी का पंप खराब हो गया था। इसे सुधारने के लिए श्रीगंगानगर भेजा गया है। आवश्यक उपकरण दिल्ली से मंगवाए गए हैं। गाड़ी के ठीक होने में अभी 2-3 दिन और लग सकते हैं। आपात स्थिति में रायसिंहनगर और श्रीविजयनगर से गाडियां मंगवाई जाती है। शनिवार और रविवार को भी खेतों में आग लगने की दो घटनाएं हो चुकी हैं।

सार-समाचार

उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र का अवलोकन

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र का अवलोकन किया।

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को भाकृअनुप-उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीसी) का अवलोकन किया। राज्यपाल ने यहां के उष्ट्र संग्रहालय का भ्रमण किया। यहां ऊंटों की विविध नस्लों, ऊंटों के बहुआयामी उपयोग, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में ऊंटों के योगदान, उष्ट्र व्यवहार तथा लक्षण, उष्ट्र दुग्ध तथा उष्ट्र पर्यटन संबद्ध गतिविधियों की सामग्री का अवलोकन किया। बागडे ने ऊंट के बाल, खाल व हड्डी से बने विभिन्न उत्पादों को देखा। इस दौरान राज्यपाल ने ऊंटनी के दूध से बनी लस्सी का स्वाद भी चखा। उन्होंने केन्द्र द्वारा ऊंटनी के दूध पाउडर की सराहना की। राज्यपाल ने उष्ट्र सवारी स्थल का भ्रमण किया तथा उष्ट्र पालकों से संवाद किया। राज्यपाल ने कहा कि ऊंटनी का दूध अमृत तुल्य है। ऊंट पालकों को इसका उचित मूल्य मिलना चाहिए। इसके माध्यम से उष्ट्र पालकों को संबल देने के साथ इस प्रजाति को बचाया जा सकता है। राज्यपाल ने प्रदेश में ऊंटनी के दूध की आपूर्ति के बारे में जानकारी ली और कहा कि राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन के माध्यम से ऊंटनी के दूध को और अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे यह उपभोक्ताओं के लिए सुलभ हो सके। उन्होंने केन्द्र के अनुसंधान कार्यों के बारे में जाना और उष्ट्र संरक्षण व विकास के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया। महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय नागपुर के कुलपति तथा एनआरसीसी के पूर्व निदेशक रहे डॉ एन.वी. पाटिल ने राज्यपाल को केंद्र की अनुसंधान उपलब्धियों एवं यहां रखे जाने वाले उष्ट्र समूह की संख्या व विभिन्न नस्लों की विशेषताओं आदि के बारे में जानकारी दी। एनआरसीसी निदेशक डॉ. अनिल कुमार पूनिया ने केन्द्र की अनुसंधान उपलब्धियों की जानकारी दी और बताया कि एनआरसीसी, ऊंटों पर अनुसंधान करने वाला विश्व स्तरीय उत्कृष्ट संस्थान है। यहां ऊंटों के जनन, प्रजनन, पोषण, शरीर क्रिया विज्ञान, स्वास्थ्य सहित अन्य पहलुओं पर अनुसंधान किया जा रहा है। डॉ. पूनिया ने बताया कि अनुसंधान में पाया गया कि यह दूध मधुमेह, टी.बी., आटिज्म आदि रोगों के निदान में लाभदायक है।

साइकिल धावकों की हौसला अफजाई

साइकिल धावकों से राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मुलाकात कर हौसला अफजाई की।

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ ने मंगलवार को साइकिल धावकों से मुलाकात की और उनकी हौसला अफजाई की। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय परिसर में साइकिल धावकों से मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने कहा कि बीकानेर में साइक्लिंग की समृद्ध परम्परा रही है। यहां के साइकिल धावकों ने देश और दुनियां में बीकानेर को विशेष पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि युवा साइकिल धावक पूर्ण समर्पण के साथ अभ्यास करें और बड़ी सफलता अर्जित करें। गुरदेव साइक्लिंग अकादमी के किसन कुमार पुरोहित के बताया कि हाल ही में 10 से 13 अप्रैल तक महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा बीकानेर में आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में देश के 62 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। इसके पुरूष और महिला वर्गों में मेजबान महाराजा गंगासिह विश्वविद्यालय ओवर आल चैम्पियन रही। उन्होंने साइकिल धावकों की अब तक की उपलब्धियों के बारे में बताया। इस दौरान पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित मौजूद रहे। वहीं अंतराष्ट्रीय साइकिल धावक मानव सारड़ा, तोलाराम डूडी, मोहित माचरा, भरत बिजारणियां, पूजा विश्नोई, बसन्ती कुमावत, तरूणा विश्नोई, हेमलता धाकड़, प्रशिक्षक श्रवण डूडी, मैनेजर शिवरतन जाट, रामनिवास भांभू आदि मौजूद थे।

गौड़ ब्राह्मण कार्यकारिणी की घोषणा

बीकानेर, (कासं)। गौड़ ब्राह्मण सभा बीकानेर के हाल ही में निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार शर्मा योगी ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार गौड़, महामंत्री मदन सुरोलिया व कोषाध्यक्ष अरविंद गौड़ को मनोनीत किया गया है। प्रेम वशिष्ठ, जगदीश शर्मा, कुलदीप शर्मा और अजय गौड़ को संरक्षक मण्डल में सम्मिलित किया गया है। महिला प्रकोश्ठ की अध्यक्ष कवियत्री मोनिका गौड़ व महामंत्री प्रमिला गौतम को एवं सांस्कृतिक सचिव सुनीता गौड़ को बनाया गया है। युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष निशांत गौड़ व संयोजक भरत गौड़ को नियुक्ति किया गया है। विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोज सुरोलिया व उपाध्यक्ष अंकुर को बनाया गया है। व्यावसायिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में तरूण शर्मा, क्रीड़ा सचिव सुनित गौड़ व कार्यालय सचिव हेमन्त शर्मा को मनोनीत किया गया है। उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा संजय गौड़, डॉ. एल.एन. शर्मा, दिनेश वत्स एवं राजीव शर्मा को रखा गया है। मंत्री के पद के लिए गजानन्द शर्मा, देवीदत्त शर्मा, आदर्श शर्मा, हेमन्त वशिष्ठ, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, धीरज गौड, संतोश शर्मा॰और ललित शर्मा के नाम घोषित किय गये हैं। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पीयूष, अनिल शर्मा, मोहन आत्रेय, अशोक शर्मा, राकेश पुरोहित, सुशील कौशिक, राजेश शर्मा, विपिन गौड़, सुशील बवेरवाल, दिनेश शर्मा व मुकेश शर्मा को शामिल किया गया है।

'पीबीएम में अव्यवस्था, डॉक्टरों के बीच समन्वय की कमी'

- चिकित्सा शिक्षा सचिव अंबरीश कुमार सुबह करीब दस बजे पीबीएम पहुंचे और विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम हॉस्पिटल में पहली बार कोई चिकित्सा शिक्षा सचिव ने 9 घंटे का समय दिया। पांच घंटे मीटिंग ली और चार घंटे तक विभिन्न विभागों में गए और रात में बिल्डिंग्स देखी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अंबरीश कुमार सुबह करीब दस बजे पीबीएम पहुंचे। विभिन्न विभागों का निरीक्षण करने के बाद अपरान्ह तीन से रात आठ बजे तक प्रिंसिपल, अधीक्षक, सभी एचओडी, यूनिट हैड और सरकारी योजनाओं के नोडल अधिकारियों की मीटिंग ली। उसके बाद पूरे परिसर में भ्रमण किया। अस्पताल की विभिन्न बिल्डिंग्स और हॉस्टल देखे। बातचीत में बताया कि हॉस्पिटल का मास्टर प्लान बनाया जायेगा। इस मास्टर प्लान से पता चलेगा कि अस्पताल की कितनी जमीन है और कहां-कहां है। पार्किंग व्यवस्था क्या है। सड़कें कहां-कहां बनी हुई हैं। पीजी, यूजी और गर्ल्स हॉस्टल कितने और कहां पर हैं। कितने विभाग ऐसे हैं जो अलग-अलग भवनों में चल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सभी की मीटिंग लेकर सरकारी योजनाओं की क्रियान्विति सही तरीके से करने और मरीजों को उसका अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। जिला अस्पताल और गंगाशहर सैटेलाइट में कॉलेज से यूनिट नहीं भेजने के सवाल पर बोले, प्रिंसिपल को कह दिया है। अब पांच विभागों की यूनिट सेवाएं देंगी। मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। सीटी एमआरआई टेंडर को लेकर चल रहे विवाद पर कहा कि इसे लेकर पॉलिसी बनाई जा रही है। अब इसके टेंडर राज्य स्तर पर ही किए जाएंगे। बता दें कि यह मुद्दा प्रमुख समाचार पत्र ने प्रमुखता से उठाया था। पीबीएम हॉस्पिटल में अव्यवस्थाओं पर बोले, डॉक्टरों के बीच समन्वय की कमी है।

राजस्थान भर से डॉक्टर मेरे पास अपने व्यक्तिगत कार्यों को लेकर आते हैं, लेकिन अस्पताल की समस्याएं कोई नहीं रखता। अब दो-तीन महीने में एक विजिट करेंगे। बच्चा अस्पताल में निजी लैब से जांच कराने के मामले में कहा कि भविष्य में ऐसी नौबत ना आए इसके लिए प्रिंसिपल और अधीक्षक को हिदायत दे दी गई है।

मरीजों के लिए वाटर कूलर लगाया

बीकानेर, (कासं)। मगजी छगजी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से स्व.पं. छगनलाल व्यास एवं स्व. पांचा देवी व्यास (लालाणी) की स्मृति में उनके परिजनों की ओर से सोमवार को राजकीय जिला एस.डी. एम चिकित्सालय में जल मंदिर में वाटर कूलर भेंट किया। ट्रस्ट के नंद किशोर व्यास ने बताया कि चिकित्सालय के सुनील हर्ष की प्रेरणा से बढ़ती गर्मी को देखते हुए मरीजों की सुविधा के लिए यह वाटर कूलर स्थापित किया गया है। व्यास ने बताया 80 लीटर वाटर कूलिंग की क्षमता वाले इस कूलर की स्थापना से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों को सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर डॉ सुनील हर्ष ने कहा कि भीषण गर्मी में लगाया गया यह वाटर कूलर मरीजों व उनके तीमारदारों के लिए काफी उपयोगी सिद्ध होगा। ट्रस्ट की संरक्षक भंवरी देवी ने कहा कि श्रीमगजी-छगजी मेमोरियल ट्रस्ट नर सेवा नारायण सेवा को ही लक्ष्य मानकर समाजोपयोगी कार्य करता रहा है।

कार अनियंत्रित होकर पलटी, 4 जने घायल

- इदंपालसर गांव में विवाह समारोह में हिस्सा लेकर चूरू जिले के नेछवा एवं निंबी जोधा निवासी 4 जने वापस लौट रहे थे

बीकानेर, (कासं)। देर रात हुए एक सड़क हादसे में चार लोग गंभीर घायल हो गए। कार सवार सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे।

मामला जिले के श्रीडूंगरगढ़ कस्बे का है। चार में से दो लोगों को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि मोड़ पर कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई थी। जानकारी के अनुसार इदंपालसर गांव में विवाह समारोह में हिस्सा लेकर चूरू जिले के नेछवा एवं निंबी जोधा निवासी 4 जने वापस लौट रहे थे। अल सुबह करीब 3 बजे बीदासर रोड़ पर माताजी मंदिर मोड़ पर उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। गाड़ी पलटने से गाड़ी में सवार दो जनों को अधिक चोटें आई एवं दो जनों को मामूली चोटें आई है।

सूचना मिलने पर एपीजे अब्दुल कलाम सोसायटी के कार्यकर्ता ऐम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंचें। घायलों को संभालते हुए श्रीडूंगरगढ़ चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां दो को सामान्य उपचार के बाद छुट्टी दी गई लेकिन दो को पीबीएम अस्पताल में स्थित ट्रोमा सेंटर के लिए रैफर कर दिया गया। निंबी जोधा निवासी किशोर लोहार (48) एवं नेछवा निवासी नौकर भाट (50) को बीकानेर भेजा गया। घायलों को सोसायटी के कार्यकर्ता मुन्ना कुंजड़ा, धन्ना राजपूत, अमीर खान ने हॉस्पिटल पहुंचाया और इलाज शुरू करवाया।

30 बटुकों का उपनयन संस्कार किया

- अरणीमंथन से अग्नि प्रकट कर बनाई वेदी

बीकानेर, (कासं)। आचार्य महानंद वैदिक यज्ञ समिति के तत्वावधान में निशुल्क सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन महानंद मंदिर परिसर में किया गया।

यज्ञाचार्य पंडित नथमल पुरोहित के सानिध्य में महानंद मंदिर यज्ञशाला में होने वाले इस यज्ञोपवीत संस्कार में 30 बटुकों मंत्र दीक्षा देकर उपनयन किया गया। संस्था के गणेश आचार्य ने बताया कि किशन पुरोहित और दाऊलाल कल्ला के नेतृत्व में संस्था के 15 युवक लगातार कई दिनों से आमजन को इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित कर रहे थे। इस कार्यक्रम के उपरांत बटुक के परिजन संस्था के सभी नियमों का पालन भी करते हैं और धन का किसी भी प्रकार में अपव्यय रोकने का प्रयास करते हैं। पवन जोशी ने बताया कि पंचगव्य प्राशन उपरांत ही यज्ञशाला में सभी को प्रवेश दिया जाता है। तदुपरांत गणेश पूजन, अंबिका पूजन, षोडश मातृका पूजन, सप्तघृत मातृका पूजन, नवग्रह पूजन, प्रधान पूजन अरणीमंथन द्वारा अग्नि प्राकट्य करते हुए बालकों को यज्ञोपवीत धारण करवाई जाती है और गुरु मंत्र दिया जाता है। रविन्द्र आचार्य ने बताया कि शिव आचार्य, निखिल आचार्य, माधव बिस्सा, नमामि शंकर, अमित आचार्य मौजूद थे।

पारा 41 डिग्री के पार पहुंचा

बीकानेर, (कासं)। यहां गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को तापमान फिर 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। सोमवार को पारा सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 28 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर चुका है। ऐसे में दिन और रात दोनों तीव्र गर्मी का अहसास करा रहे हैं।

मौसम विभाग ने बीकानेर के लिए एक बार फिर ओरेंज अलर्ट जारी किया है। आने वाले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। न सिर्फ बीकानेर बल्कि संभाग के चारों जिलों में तापमान असहनीय रहेगा। चूरू में भी पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस तेज गर्मी के बीच पांचवीं बोर्ड के एग्जाम राज्यभर में चल रहे हैं।

अवैध पानी कनेक्शन मिला तो दर्ज होगी एफआईआर

- 22 मार्च से अब तक 439 अवैध पानी कनेक्शन हटाए

बीकानेर, (कासं)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने प्रस्तावित नहर बंदी के दौरान पेयजल कटौती के मद्देनजर जल संकट से निपटने को लेकर अवैध पानी कनेक्शन हटाने का अभियान 22 मार्च से चला रखा है।

विभाग के अधीक्षण अभियंता खेमचंद सिंगारिया ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अब तक 439 अवैध पानी कनेक्शन हटाए जा चुके हैं। अभियान के अंतर्गत सभी सहायक अभियंता अपने अपने क्षेत्र में नियमित रूप से अवैध जल संबंधों को चिन्हित कर कार्रवाई कर रहे हैं। सिंगारिया ने बताया कि विभागीय निर्देशों की अनुपालना में अवैध जल संबंध पाये जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जायेगी। जिसके अंतर्गत विभागीय संपत्ति को नुकसान के साथ साथ जल चोरी की मात्रा के आंकलन अनुसार जुर्माना भी लगाया जायेगा।

सिंगारिया ने बताया कि जल का अपव्यय रोकने तथा पेयजल से संबंधित समस्या के निदान हेतु विभाग का कंट्रोल रूम 24 घंटे लगातार कार्य कर रहा है। जिसका दूरभाष नम्बर 0151-2226454 है। आमजन पानी से संबंधित समस्या इस दूरभाष नंबर पर दर्ज करवा सकते हैं। यदि लीकेज की समस्या कहीं है तो आमजन विभाग को तुरंत अवगत कराएं। विभाग द्वारा समय रहते इसे दुरूस्त कर व्यर्थ बह रहे पानी को रोककर जल बचत की जायेगी। प्रस्तावित नहर बंदी के दौरान पेयजल कटौती के मद्देनजर सिंगारिया ने आमजन से पुन: अपील की है कि पानी की बचत और जल संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। आमजन छोटी छोटी बातों को ध्यान में रखकर और अपनी आदतों में बदलाव करके जल संरक्षण कर सकता है। सिंगारिया ने बताया कि अपने घरों में टपकते हुए नल को ठीक करवाएं।

कला और कलाकारों का सम्मान भारतीय संस्कृति की परम्परा : राज्यपाल

- राज्यपाल ने कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में योगीराज द्वारा बनाई गई मूर्ति जीवंत है
- उन्होंने योगीराज के कला कौशल्य की सराहना की

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की ओर से अरूण योगीराज को पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान करते राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े।

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कला और कलाकारों का सम्मान भारतीय संस्कृति की परम्परा रही है। शिल्पी अरुण योगीराज को पीएचडी की पहली मानद उपाधि प्रदान कर महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय ने इस परंपरा का बेहतर निर्वहन किया है। राज्यपाल ने मंगलवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में अरूण योगीराज के मानद उपाधि सम्मान कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

राज्यपाल ने कहा कि योगीराज इस उपाधि के लिए सर्वथा योग्य हैं। योगीराज ने अत्यंत कम उम्र में शिल्प की गहरी साधना की है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में योगीराज द्वारा बनाई गई मूर्ति जीवंत है। उन्होंने योगीराज के कला कौशल्य की सराहना की और कहा कि हमारे देश में हजारों वर्षों से अच्छी मूर्तियां बनाने की परंपरा रही है। आज भी देश और प्रदेश में ऐसे कलाकार हैं, जिनकी कला को बेहतर पहचान मिली है। राज्यपाल ने कहा कि योगीराज सिर्फ एक मूर्तिकार नहीं बल्कि भारतीय शिल्प कला की समृद्ध परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। योगीराज ने मूर्तिकला की विरासत को अपनाया और इस नई ऊंचाईयां दी। राज्यपाल ने कहा कि योगीराज को दिए गए अभिनंदन पत्र को विश्वविद्यालय में भी प्रदर्शित किया जाए, जिससे युवा विद्यार्थियों को प्रेरणा मिले और वे भी इनका अनुसरण कर सकें। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान शूरवीरों की धरती है। यहां के अनेक देशभक्तों ने देश धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। ऐसे देशभक्ति की तस्वीरें भी विश्वविद्यालय में लगाई जाएं।

लू और तापघात के प्रबंधन की समीक्षा

बीकानेर,(कासं)। संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक ली। उन्होंने गर्मी के दौरान पेयजल प्रबंधन सहित लू और तापघात के मद्देनजर की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की और जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए।

संभागीय आयुक्त ने संभाग के चारों जिला कलेक्टर्स तथा उपखंड अधिकारियों से अब तक की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। संभागीय आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक उपखंड अधिकारी गत तीन वर्षों में राजस्थान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को देखते हुए यह समझें कि किन क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता को लेकर समस्याएं आई।

इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने टैंकर से परिवहन किए जाने की स्थिति में आवश्यक टेंडर तथा जीपीएस व्यवस्था सिस्टम लागू करने के निर्देश दिए।

कार्यालय कमांडर 140 बीएन बीएसएफ, सतराना, नई मंडी घडसाना (राज)

क्रमांक 599/प्रोव/नीलामी सूचना/140 बीएन/2025/500-5700 दानिश, एक एपीएएन

नीलामी सूचना

140 बीएन बीएसएफ के प्रभार में सरकारी कोष और निजी निधि भंडार से संबंधित सभी प्रकार के निष्प्रयोज्य भंडार की सार्वजनिक नीलामी 24/04/2025 को लगभग 10.00 बजे बटालियन मुख्यालय सतराना, नई मंडी घड़साना जिला-श्री गंगानगर में आयोजित की जाएगी।

2. सभी इच्छुक पार्टियों/बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे दिए गए कार्यक्रम, तिथि और समय पर नीलामी में उपस्थित हो।
3. प्रत्येक बोलीदाता को बोली शुरू होने से पहले बयाना राशि के रूप में 39,000/- (उनचालीस हजार रुपये) की धनराशि नकद जमा करानी होगी, जो नीलामी पूरी होने के बाद वापस कर दी जाएगी/समायोजित कर दी जाएगी।
4. सभी बोलीदाताओं के पास मूल पैन कार्ड तथा अंतिम आयकर रिटर्न का प्रमाण होना चाहिए, जिसे अधिकारियों के बोर्ड द्वारा देखा जाएगा, अन्यथा उन्हें नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
5. नीलामी राशि तथा वैट/बिक्री कर/जीएसटी सफल बोलीदाताओं को मौके पर ही जमा करानी होगी तथा नीलामी पूरी होने के तुरंत बाद दुकान को साइट से स्थानांतरित करना होगा। यदि अंतिम बोलीदाता नीलाम की गई दुकानों की कीमत मौके पर जमा करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी।
6. कमांडेंट, 140 बीएन बीएसएफ को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूरा अधिकार है। सभी मामलों में कमांडेंट, 140 बीएन बीएसएफ का निर्णय अंतिम होगा।
7. स्टोर की नीलामी "जहां है जैसा है वैसा" आधार पर की जाएगी
8. नीलामी विभागीय नियमों और विनियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी। नीलाम किए गए सामान को उठाने के लिए बीएसएफ द्वारा कोई परिवहन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।
9. अन्य शर्तें, यदि कोई हों, नीलामी के समय घोषित की जाएंगी।

कमांडेंट के लिए ट्रैजेन्द्र सिंह)
डीसी/क्यूएम, 140 बीएन बीएसएफ

CBC 19110/11/0004/2526